International Journal of Applied Research 2016; 2(5):889-890

ISSN Print: 2394-7500
ISSN Online: 2394-5869
Impact Factor: 5.2
IJAR2016; 2(5): 889-890
www.allresearchjournal.com
Received: 23-04-2016
Accepted: 27-05-2016

डॉ0 आभा त्यागी
प्राचार्या वैश्य कन्या महाविधालय
समालखा (पानीपत) हरियाणा, भारत

Correspondence
डॉ0 आभा त्यागी
प्राचार्या वैश्य कन्या महाविधालय
समालखा (पानीपत) हरियाणा, भारत

वैश्वीकरण में सूचना-क्रान्ति और पत्रकारिता

डॉ0 आभा त्यागी

आज संचार-क्रान्ति के युग में सूचना तकनीक से निर्मित समाज को सूचना समाज के नाम से जाना जा रहा है। जन संचार माध्यमों में सूचना तकनीक के वर्चस्व को स्वीकार करते हुए मार्शल मैक्लूहान का विचार है ''माध्यम ही संदेश है और माध्यम से मध्यस्थता करने वाला सेतु है जो दो बिन्दुओं को जोड़ता है। सूचना क्रान्ति ने इक्कीसवी सदी के वर्तमान रूप रंग को ही प्रभावित नहीं किया है बल्कि वह इस सदी का भविष्य भी अपने में समेटे हुए है आज संचार क्रान्ति के माध्यम से नई तकनीक से राजनैतिक सामाजिक और आर्थिक सभी क्षेत्रों में बहुत परिवर्तन आया है मनुष्य की जीवन शैली में भी क्रान्तिकारी परिवर्तन आया है। आजादी के बाद सूचना-क्रान्ति के पहले ही पत्र-पत्रिकाओं का आगमन था, पत्र-पत्रिकाओं से पत्रकारिता का ढॉचा बदलने लगा भाषा उस समय एक राष्ट्र एक सभ्यता एक संस्कृति थी इन प्रसिद्ध लेखको ने हिन्दी पत्रकारिता के माध्यम से ही भाषा संस्कार और परिमार्जन का अपना अभियान पूरा किया।

पत्रकारिता को उस समय लिटरेचर इन हेस्ट अर्थात जल्द बाजी में लिखा गया साहित्य कहा जाता था उसी जल्दबाजी को लिखे साहित्य की भाषा ने हिन्दी पाठकों के साथ बड़ा ही आत्मीय रिश्ता कायम किया।

स्वातन्त्रयोतर हिन्दी पत्रकारिता जब तक भाषा की दृष्टि से पत्रकारिता के पूर्व मानदंडों पर चलती रही, तब तक उसने भाषा के संस्कार की रक्षा की! ''समाज, संस्कृति, साहित्य, दर्शन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के व्यापक प्रसार के चलते मानव संधर्ष, क्रांन्ति, प्रगति, दुर्गति से प्रभावित जीवन सागर में उठने वाले ज्वार भाटा को दिग्दर्शित करने वाली पत्रकारिता अत्यन्त महत्वपूर्ण हो चुकी है जनता, समाज, राष्ट्र और विश्व को गरीबी का भूगोल, पूँजीपतियों को अर्थशास्त्र और नेताओं को समाज शास्त्र पढ़ाने मे पत्रकारिता ही सक्षम है।''

कला क्षेत्र में महत्व

पत्रकारिता ने कला को समाज के अस्तित्व में लाने का जो प्रकाशीय दर्पण प्रस्तुत किया है उससे आज कोई कला एवं कलाकार अछूता नही रहा है। बल्कि समाज भी इसकी चमक से पूर्ण रूप से परिचित हो चुका है। पत्रकारिता के माध्यम से हमे अनेक महान कलाकारों की नयी नयी कला कृतियॉ, शैलियॉ नये-नये विचार एवं रूपों का अमूल्य ज्ञान प्राप्त हुआ है जिससे सम्पूर्ण समाज अवगत हो चुका है। कला को आसमान की बुलदियों तक पहुँचाने का श्रेय पत्रकारिता को ही जाता है। जिस कलाकार के आन्तिरिक मन में जो विचार या भाव उद्वेलित होते है वे उसके मन-मस्तिष्क को इतना झकझोर देते है कि वह अपनी कृतियों के माध्यम से उन्हें नये प्रयोगों, नवीन प्रवृतियों और नूतन दृष्टिकोण द्वारा स्वरूप देता है जिससे एक नयी कृति का निर्माण होता है। पत्रकारिता केवल खबरे इक्टठी करना और छापना मात्र नहीं, मनुष्य-मनुष्य के मध्य सम्प्रेषण, सामयिकता तथा इतिहास की सम्पूर्ण गति से जोड़ने का प्रयास है। डा0 श्री रामचन्द्र लिवाई के अनुसार ''समय रूपेण पत्रकारिता व्यवसाय है और राष्ट्रीय लोक चेतना को उद्दीप्त करने का साधन है''।

यह संचार माध्यम का ही कमाल है कि पूरा विश्व 'विश्वग्राम' में परिवर्तित हो गया है। संचार माध्यम से जनमत तैयार होता है और यही जनमत हमें बड़े से बड़े लक्ष्य प्राप्ति में सहायक सिद्ध होता है। समाज में प्रेम, सद्भाव, सहयोग, सोहार्द्र की भावनाओं के विकास एवं संचार में जनसंचार माध्यम अपनी अहम भूमिका निभाते है।

बृहत, हिन्दी कोश के अनुसार-'पत्रकारिता का अर्थ पत्रकार के काम या पेशे से है यह समाचार पत्रो के संपादन, समाचार इक्ठठा करने और उसका विवेचन करने वाली विधा है। वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग द्वारा प्रकाशित ''पत्रकारिता परिभाषा कोश' के अनुसार'' पत्र पत्रिकाओं रेडियों, दूरदर्शन आदि के लिए समाचार, लेख फीचर आदि लिखने तथा संपादित करने की कला पत्रकारिता है'' टाईम-पत्रिका के एक संवाद दाता के अनुसार ''पत्रकारिता इधर-उधर से एकत्रित सूचना का केन्द्र है जो सही अर्न्तदृष्टि और प्रेषण का कार्य इस ढंग से करता है कि सत्य का पालन हो और घटनाओं के सहीपन का देखा गया हो, भले ही तुरन्त न सही, पर अधिक साक्षी हो। '

एक समय था जब कहा जाता था कि 'ज्ञान ही पत्रकारिता की, शक्ति है' लेकिन आज कहा जा रहा है कि 'सूचना ही इसकी वास्तविक शक्ति है' जिसके पास नवीनतम सूचना और अधिक से अधिक सूचना नहीं है, वह पिछड़ा और कमजोर माना जाता है हम नित नये समाचार जानने की इच्छुक रहते है देश दुनिया मे ही नहीं, अपितु हम अपने शहर गॉव कस्बे यहॉ तक कि मुहल्ले से भी किसी नई सूचना की अपेक्षा रखते है इन सब उददेश्यों की पूर्ति 'संचार

के विभिन्न माध्यमों से ही हो पाती है इसलिए आज के युग मे यह एक प्रभावशाली प्रौद्योगिकी' बनकर उभरी है।

अक्षर का रूप बदलेगा
पन्नो में खुशबू नही होगी अहसास की
खेतों की महक भर जायेगी,
और तुम ढूँढते रह जाओगे सदी के अन्त में
शब्दो का सिलसिला .....।

'स्टेनले विलियम' की उक्त पंक्तियॉ कल्पना मात्र नही है भविष्य में यह परिदृश्य परिलक्षित होने जा रहा है। आधुनिक वैज्ञानिक परिवेश में पलक झपकते ही विश्व को परदे पर खुली ऑखो से देखा जा सकता है वर्तमान नवीन सदी मे पत्रकारिता की दुनिया मे कुछ असंभव नही है।

इक्कीसवी सदी में पत्रकारिता जगत में चतुर्दिक क्रांन्ति का आगमन बढ़ रहा है। तथा नवीन शताब्दी में पत्रकारिता अपने नवीन चेहरे के साथ जनमानस से स्वंय को जोड़ रही है। इलेक्ट्रोनिक मीडिया की भॉति ई समाचार 'मीडिया अखबार' का शुभारम्भ हो चुका है इसी क्रम में विश्व का सबसे बडा और सबसे छोटा इलेक्ट्रोनिक अखबार तैयार किया जा रहा है नई सूचना प्रौद्योगिकी से कम्पयूटरीकृत पत्रकारिता की एक नवीन ई समाचार अर्थात इलेक्ट्रोनिक युग का श्री गणेश हो चका है। इस सदी में अमेरिका मे भी समाचार-पत्रो की दुनिया मे एक क्रांति हुई जहॉ 'ई -बुक्स' की शुरूआत हुई पत्र-पत्रिकाओं की अगली दुनिया इलेक्ट्रोनिक्स पर आधारित होगी एक कम्पयूटर के माध्यम से हम विश्व की किसी भी पत्रिका, पुस्तक की जानकारी प्राप्त कर सकते है। जापान मे इन पत्रिकाओं को 'जेनी ज्ञान कोश की संज्ञा दी गई है।

आगामी दिनों मे कई और लेखक अपनी पत्रिकाओं पुस्तको को सीधी कम्पयूटर डिस्क के माध्यम से प्रकाशित करेगें। इलेक्ट्रोनिक पत्रिकाओं को इलेक्ट्रोनिक पब्लिकेशन मे कहा जाने लगा है। 'ई-समाचार मीडिया' ने विश्व को एक सूत्र मे पिरो दिया है।

निष्कर्ष :- भविष्य मे पत्रकारिता जगत परिदृश्य मे भी नवीनतम क्रान्तिकारी परिवर्तन दिखलाई पडेगे जिनसे विश्व इलेक्ट्रोनिक्स पत्रकारिता तकनीक का उपर्युक्त दृश्य पत्रकारिता अखबारों मे भी दिखाई पड़ेगा। यह सदी निश्चित रूप से मीडिया और उसके अतंर्गत सूचना प्रौद्योगिकी की होगी, सूचना विषयक आदान-प्रदान के तरीके बदलेगे, पाठक दर्शकादि तक उनके पहुचने के तरीकों में नये-नये परिवर्तन होगे समाचार पत्र-पत्रिकाओं ही नहीं वरन पुस्तके तक इन्टरनेट पर पढ़ी जाएगी तथा पत्रकारिता मिशन न रहकर एकदम व्यवसायिक ब्रांड होगी। टी.वी. डिजिटल होकर टी.वी. से अधिक मल्टीमीडिया, इंटर-एक्टिव मीडिया मे बदल जाएगे नए चैनल होगे। 'आप्टीकल फाईवर की तकनीक' 'डिजीटल कम्प्रेशन की तकनीक' डी.टी.एच. की तकनीक मिलकर मनोरंजन को ग्लोबल, स्पर्धात्मक खर्चीला और तेज प्रवाही बना देगे। सूचना युद्ध की सदी होगी, सूचना युद्ध मे इन्टरनेट और उससे संबंधित सूचना तकनीक निर्णायक होगी, सूचना बैंक होगे, हम सूचना खरीदेगे तो मिलेगी। इस प्रकार आधुनिक समाचार संचार साधनों ने पत्रकारिता को पूर्णतः परिवर्तित कर उसे एक नयी दिशा प्रदान की है।

सन्दर्भ सूचीं

1. जन संचार-माध्यम-विविध आयाम - व्रजमोहन गुप्त।
2. इक्कीसवी सदी और पत्रकारिता-सं0 अमरेंद्र कुमार, निशांत से है।
3. इलेक्ट्रोनिक मीडिया-टी.डी.एस. आलोक।
4. पत्र-पत्रिकाएॅ।
5. नवभारत टाइम्स।
6. धर्म युग।
7. कम्यूनिकेशन टुडे।
8. जन सत्ता।